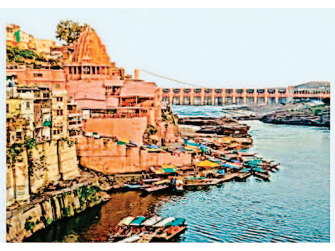

बारिश का कहर... सड़कें जलमग्न, नदियां उफान पर, कई मार्ग बंद, संपर्क कटा

नवभारत न्यूज

खरगोन। जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश ने जहां खरीफ फसलों को नई संजीवनी दी है, वहीं जनजीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो गया है। शहरों और कस्बों में सड़कें जलमग्न हो गई, कई नदियां और नाले उफान पर आ गए तथा कई स्थानों पर यातायात घंटों बाधित रहा। गोगावां में सर्वाधिक 190 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि खरगोन, बड़वाह, सेगांव, भगवानपुरा, झिरन्या, महेश्वर, सनावद और कसरावद में भी अच्छी बारिश हुई।

गुरुवार दिन सहित रात में भी तेज बारिश हुई, जो शुक्रवार भी जारी रही। यह बारिश अब लोगों के लिए परेशानी का सबब भी बन रही है। जगह-जगह जलजमाव से सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मुख्य

खंडवा रोड़ पर पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने से सड़क पर घुटनों तक पानी जमा हो गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हुई। जैतापुर में सीवरेज लाइन खुदाई से गलियां कीचड़ से सन गईं, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो गया। गायत्री मंदिर के पीछे कलेक्टर कार्यालय पहुंच मार्ग पर एक वर्षों पुराना पेड़ गिर गया, जिससे आगवामन भी बाधित हुआ।

बिस्टान में ढाई घंटे तक रिमझिम बारिश

बिस्टान क्षेत्र के अधिकांश क्षेत्र में गुरुवार सुबह 7 बजे से करीब ढाई घंटे तक रिमझिम बारिश हुई । इससे खरीफ फसलों में नहीं जान लौट आई वहीं तापमान में गिरावट से आमजन ने भी राहत की सांस ली । पिछले चार-पांच दिनों से उमस के साथ तेज धूप पड़ रही थी । गर्मी बढ़ने से लोगों ने दोबारा कुलर शुरू कर दिए थे । करीब 10 से 12 दिन बाद हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे कपास सोयाबीन और मक्का सहित अन्य खरीफ फसलों के लिए यह बारिश लाभदायक मानी जा रही है । ग्रामीणों ने बताया रोज आसमान में बादल छा रहे थे लेकिन बारिश नहीं हो रही थी । अच्छी बारिश के लिए किसानों के चेहरे खिल उठे । श्रावण माह के पहले दिन गुरुवार को आसपास के क्षेत्र में जोरदार बारिश हुई ।

झिरन्या में चार दिनों से मूसलधार बारिश

झिरन्या : क्षेत्र में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। शुक्रवार को झिरन्या ङ्क रतनपुर मार्ग पर स्थित नदी उफान पर आ गई, जिससे पुल के ऊपर से पानी बहने लगा और कई घंटों तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

नदी-नाले भी उफान पर

गोगावां क्षेत्र में गुरुवार शाम से शुरू हुई मूसलाधार बारिश का सिलसिला शुक्रवार तक जारी रहा। रुक रुक कर लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है।

उधर, नदी नाले भी उफान पर चल रहे है शहर के आसपास की निचली बस्तियों की पुल पुलियाओं पर पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित हुआ, जबकि निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बन गई थी।

महेश्वर में लबालब हुई गालियां

महेश्वर में शुक्रवार शाम 4 अचानक हुई तेज बारिश से नगर की गलियां लबालब हो गई। इसके चलते कई वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। शुक्रवार की शाम 4 बजे हुई बारिश लगभग शाम को 6 बजे तक चलती रही इस दौरान कई राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा ।

एक नजर में

माता वैष्णो देवी दर्शन के लिए साइकिल से रवाना

झिरन्या । माता वैष्णो देवी के पावन दर्शन के उद्देश्य से झिरनिया मुख्यालय की इंद्रा कॉलोनी से श्रद्धालुओं का एक जत्था साइकिल यात्रा पर रवाना हुआ। यात्रा में झिरनिया के गजेंद्र मोरे सहित भिकनगांव के श्रद्धालु भी शामिल हैं। यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व सभी श्रद्धालुओं ने शक्ति पीठ श्री शक्ति सेवा धाम आश्रम में माँ वैष्णो देवी के दर्शन किए तथा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री विष्णु गिरी जी बापू का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद विधि-विधान के साथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्री गजेंद्र मोरे ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से लगातार साइकिल के माध्यम से माँ वैष्णो देवी के दर्शन करने जा रहे हैं। इस वर्ष भी श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ यात्रा निकाली जा रही है। इस अवसर पर आश्रम परिवार के सुभाष नायक, रोहित नायक, वासु नायक, शुभम मालाकार, नारायण डावर, निलेश पंवार, राकेश पंवार, रोहित पंवार, पवन गिरी, राजेश एवं माधव नायक सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने यात्रियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर शुभकामनाओं के साथ विदाई दी। श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा के दौरान वे विभिन्न स्थानों पर धार्मिक एवं सामाजिक संदेश देते हुए भाईचारे, सद्भाव और जनकल्याण का संदेश भी प्रसारित करेंगे।

प्रेमचंद जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

खरगोन। हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरगोन के हिंदी विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य प्राथमिक विद्यालय से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के पाठ्यक्रमों में शामिल है। उन्होंने लगभग एक दर्जन उपन्यास तथा तीन सौ से अधिक कहानियों की रचना कर हिंदी साहित्य को समृद्ध बनाया। उनके साहित्य में भारतीय समाज, ग्रामीण जीवन, सामाजिक विषमताओं, यथार्थ और आदर्शवाद का सजीव चित्रण मिलता है। स्नातकोत्तर हिंदी के छात्र जितेंद्र खोड़े ने कहा कि आर्थिक अभावों में जीवन व्यतीत करने के बावजूद प्रेमचंद ने समाज को नई दिशा देने वाला साहित्य रचा। उनकी रचनाएं लेखन-कौशल और भाषा-संवेदना को विकसित करने में प्रेरणास्रोत हैं। स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र शशांक कोगे ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देता है तथा साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का सशक्त साधन है। कार्यक्रम के प्रारंभ में सेवा निवृत्ति के अवसर पर प्रो. रविंद्र बर्वे का सम्मान किया गया।

उपजेल मंडलेश्वर में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

महेश्वर। शुक्रवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष में वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश अनुसार मंडलेश्वर उप जेल में बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 88 बंदीयो व जेल स्टाफ की एच बी एस ए जी ,एच आई वी वी डी आर एल, सिकलसेल व टी बी की स्क्रीनिंग की गई।

टी.बी की पोर्टेबल एक्सरे मशीन के माध्यम से भी स्क्रीनिंग की गई। एड्स ब्लॉक समन्वयक मुकेश पटेल ने जानकारी देते हुए

बताया कि शिविर में सी एच सी महेश्वर, सिविल हॉस्पिटल मंडलेश्वर, साइंस हाउस एन ए सी पी, लेप्रा सोसाइटी के कर्मचारियों ने सेवाएं दी। लेप्रा सोसाइटी प्रिजन कार्यक्रम अंतर्गत टी.बी एक्सरे किए गए।थे। इस अवसर पर उप जेल विभाग के कर्मचारी व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षकों की कमी के चलते चरमराई शिक्षा व्यवस्था

झिरन्या। आकांक्षी विकासखंड झिरन्या में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था शिक्षकों की भारी कमी के कारण प्रभावित हो रही है। नियमित शिक्षकों के स्थानांतरण और अतिथि शिक्षकों के अनुमोदन में देरी से कई विद्यालयों में पढ़ाई बाधित हो गई है। इसका असर विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ नीति आयोग के शिक्षा इंडिकेटर्स पर भी पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार, पिछले शैक्षणिक सत्र में विकासखंड के स्कूलों में 676 अतिथि शिक्षक कार्यरत थे। इस वर्ष 40 से अधिक नियमित शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद शिक्षकों की कमी और बढ़ गई है। कई अतिथि शिक्षक अनुमोदन नहीं मिलने के बावजूद अपने खर्च पर स्कूल पहुँचकर विद्यार्थियों को पढ़ा रहे थे, लेकिन विभागीय स्वीकृति नहीं मिलने के कारण उन्होंने भी विद्यालय जाना बंद कर दिया। बताया जा रहा है कि जनजातीय कार्य विभाग के निर्देश के बाद ब्लॉक स्तर से सभी आवश्यक जानकारी जिला कार्यालय भेज दी गई है, लेकिन अब तक अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इससे स्कूलों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है और विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम समय पर पूरा होना मुश्किल दिखाई दे रहा है।शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कार्य भी अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण प्रभावित बताए जा रहे हैं। यदि जल्द ही अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई तो इसका सीधा असर आगामी परीक्षाओं और विद्यार्थियों के परिणामों पर पड़ेगा।

होमगार्ड लाइन में 150 स्वयंसेवकों ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

खरगोन। शहर के उमरखली रोड़ स्थित होमगार्ड लाइन में सात दिवसीय सिविल डिफेंस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के लगभग 150 सिविल डिफेंस स्वय सेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर आपदा प्रबंधन एवं राहत. बचाव से संबंधित व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण लिया।

कार्यशाला के दौरान स्वयंसेवकों को नागरिक सुरक्षा संगठन की भूमिकाए आपदा प्रबंधन कानून, भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, सर्पदंश, आकाशीय बिजली, भगदड़ जैसी आपदाओं में बचाव कार्य, आधुनिक खोज एवं बचाव तकनीक, अग्निशमन, रस्सी की गांठें, हाइड्रोलिक एवं अन्य बचाव उपकरणों के सुरक्षित उपयोग, सीबीआरएन, जैविक, रेडियोलॉजिकल एवं परमाणुद्ध खतरों से सुरक्षा तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कंपनी कमांडर शिवप्रसाद उईके, प्लाटून कमांडर श्रीमती बीना जमरा, हवलदार महेश शिंदे सहित जिला सेनानी झाबुआ विनोद ओशो गौतम एवं जिला सेनानी बड़वानी शरदचन्द्र रॉय ने विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन दिया। जिला सेनानी सुमन बिसोरिया ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई ।

शक्ति पीठ आश्रम मारुगढ़ में आस्था के साथ मनाया गुरु पूर्णिमा

नवभारत न्यूज

झिरन्या। खरगोन जिले के सनातन हिन्दू धर्म की निमाड़ की आस्था का केंद्र शक्ति पीठ श्री शक्ति सेवा धाम आश्रम मारूगढ़ में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री विष्णु गिरी जी बापू की मधुर अमृतवाणी से सत्संग का आयोजन किया गया। इसमें महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात एवं अन्य राज्यों से श्रद्धालुओं ने मारुगढ़ आश्रम पहुचक़र, ब्रम्हलीन संत श्री झबरसिंह जी महाराज (दादा)गुरु जी की,गादी के दर्शन कर श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री विष्णु गिरी जी बापू का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर भक्तों ने महामंडलेश्वर स्वामी जी कीं अमृत

वाणी से सत्संग का श्रवन क़र सत्संग का लाभ लिया! साथ ही आश्रम सेवा समिति द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया। महामंडलेश्वर ने कहा कि गुरु शिष्य का रिश्ता एक अटूट बंधन है! जो की एक दूसरे की आत्मा से जुड़कर बनता है! रिश्ता मां गंगा की तरफ पवित्र होना चाहिए! गुरु शिष्य को ज्ञान रूपी प्रकाश दिखाकर,अंधकार भरे अज्ञानता से दूर करता है जो एक सच्चे गुरु की पहचान है। भक्तों द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व को श्रद्धा,भक्ति और बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। साथ ही प्रात: 7 बजे से गुरु पूजन एवं हवन में भाग लेकर श्रद्धालुवो ने अपने गुरुदेव महामंडलेश्वर श्री विष्णु गिरी बापू का आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम सेवा समिति सदस्य और अन्य मौजूद रहे।

कॉलेज में एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम बंद होने पर छात्रों का विरोध

बड़वाह। शासकीय महाविद्यालय बड़वाह में वर्षों से संचालित एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) पाठ्यक्रम बंद किए जाने के विरोध में विद्यार्थियों ने गुरुवार को प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर पाठ्यक्रम को पुन: प्रारंभ करने की मांग की।

छात्रों ने कहा कि महाविद्यालय में हाल ही में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण किया गया था। उस समय विद्यार्थियों को नए पाठ्यक्रम शुरू होने और बेहतर शिक्षण व्यवस्था का आश्वासन दिया गया था, लेकिन नए विषय शुरू करने के

बजाय करीब 15 वर्षों से संचालित एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम ही बंद कर दिया गया। विद्यार्थियों का कहना है कि बड़वाह एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक छात्र आर्थिक कारणों से अन्य शहरों में पढ़ाई करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में एमएसडब्ल्यू विषय बंद होने से उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने मांग की कि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल इस पाठ्यक्रम को पुन: प्रारंभ किया जाए तथा उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजकर शीघ्र समाधान कराया जाए। इस बीच आंदोलन की आहट को देखते हुए प्राचार्य ने सुबह ही विश्वविद्यालय से चर्चा कर एमएसडब्ल्यू के तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाएं शासकीय महाविद्यालय बड़वाह में ही आयोजित कराने की बात कही। आवेदन सौंपने पहुंचे छात्रों को भी प्राचार्य ने इसकी जानकारी दी, जिससे वर्तमान अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षा संबंधी समस्या का आंशिक समाधान हो गया। हालांकि छात्र नेता विशाल सन्नी ने कहा कि तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा की व्यवस्था होना स्वागतयोग्य है, लेकिन यह केवल आंशिक समाधान है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

खरगोन। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुक्रवार को महिला सभा कक्ष में नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को आंगनवाड़ी केंद्रों के प्रभावी संचालन एवं विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यकर्ताओं को आंगनवाड़ी केंद्र संचालन, पोषण ट्रैकर एप का उपयोग, हितग्राहियों का पंजीयन, बच्चों की वृद्धि निगरानी, वजन एवं लंबाई/ऊंचाई का वैज्ञानिक तरीके से मापन, कुपोषित बच्चों की पहचान, अभिलेख एवं पंजियों का संधारण तथा विभागीय सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर राजेश केरावत, विजेंद्र भालेकर एवं नंद राम चौहान ने विभिन्न विषयों पर व्यवहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया। शंकाओं का समाधान करते हुए पोषण ट्रैकर में समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत सही प्रविष्टि के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय भारद्वाज के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण प्रभारी अर्चना मंडलोई ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया।

लेखक और उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई

भीकनगांव। कबीर लोक कल्याण समिति भीकनगांव द्वारा शास कन्या मा वि भीकनगांव में साहित्य जगत के महापुरुष लेखक, समाज सुधारक मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर उनको याद किया और लिखे उपन्यास, निबंध,गबन गोदान, मंगलसूत्र आदि पर संगोष्ठी के माध्यम से याद किया।

केबी मंसारे ने विचार रखते हुए बताया कि मुंशी प्रेमचंद जी ने समाज की कुरितियो पर बहुत लिखा है उन्होंने संत कबीर,संत रविदास, गुरु नानक की विचारधारा को स्वीकार कर अपनी लेखनी को आगे बढ़ाया है।उस काल में समाज में व्याप्त शोषण, अत्याचार, सामंतवाद पर लिखा है। किसान, मजदूर शोषण पर लिखा है। छात्राओं ने बढकर संगोष्ठी में भाग लिया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि समाजसेवी शिक्षा विद अरविंद जैन थे। तात्कालिक भाषण में भाग लेंने वाले -छात्राओं को गिफ्ट प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कृत किया ।जिसमें कल्याणी, सोनाली, महक, रविना, शिरिन को पुरस्कृत किया। शिक्षकों में मीरा पाटीदार,निधि पटेल, किर्ती पटेल, संध्या चौरे, सचिन चौहान, निलेश वर्मा, राधा पटेल, सुनिल मंडोरिया सुनिता वर्मा, शोभा पटेल का सराहनीय सहयोग रहा।

एक नजर में

चंद छात्रों को रोकने के लिए छावनी में तब्दील हुआ एसडीएम कार्यालय प्रवेश द्वार

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने चलाई पानी की बौछार

खरगोन। छात्रों की विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालय परिसर में संचालित हो रहे सांसद गजेंद्र सिंह पटेल के कार्यालय घेराव को लेकर एनएसयूआई ने प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस ने प्रवेश द्वार को छावनी में तब्दील कर दिया। 12 बजे रैली के रुप में चंद कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कार्यालय की ओर बढ़ते कार्यकर्ताओं को पुलिस ने एसडीएम कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वे छात्रों से जुड़े मुद्दों और उनकी मांगों को सीधे संसद तक पहुंचाना चाहते हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन और पुलिस उन्हें ऐसा करने से रोक रहे हैं। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच लगभग एक घंटे तक गतिरोध और जोर आजमाइश चलती रही। पुलिस द्वारा दिखाई गई सख्ती के चलते कार्यकर्ता अंदर प्रवेश नहीं कर सके। जब कार्यकर्ताओं ने जबरन गेट के अंदर घुसने का प्रयास किया, तो पुलिस का ईशारा मिलते ही वहां तैनात फायर फायटरों ने छात्रों पर वाटर कैनन से पानी की बौछार की, जिससे कुछ देर के लिए छात्र तितर-बितर हो गए। मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। जब कार्यकर्ताओं को किसी भी स्थिति में कार्यालय में प्रवेश नहीं मिला, तो उन्होंने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद कार्यकर्ता शांत होकर लौट गए।